बूथ एजेंट बनाने में राष्ट्रीय दलों से क्षेत्रीय पार्टियां आगे, राजद ने सबको पछाड़ा

- बीजेपी और कांग्रेस नहीं दिखा रही रुचि
- लगातार अपील के बावजूद राजनीतिक दलों पर नहीं हो रहा असर

सुधीर कुमार सिन्हा ▷ औरंगाबाद

जिले में बूथ लेबल एजेंट बनाने में राष्ट्रीय राजनीतिक दलों की अपेक्षा क्षेत्रीय पार्टियां काफी आगे हैं. बूथ लेबल एजेंट (बीएलए) बनाने के प्रति सभी राष्ट्रीय स्तर के राजनीतिक दल बेहद उदासीन हैं. जिला निर्वाचन कार्यालय के आंकड़ें इसकी गवाही भी दे रहे हैं. वैसे वर्तमान में सत्ता से दूर रहने वाले राजद ने इस मामले में सभी राजनीतिक पार्टियों को पछाड़ दिया है. चाहे वह राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक पार्टियां हों या फिर क्षेत्रीय दल. जिले में बूथ लेबल एजेंट बनाने में राजद पहले पायदान पर है. जबकि बिहार की सत्ता पर काबिज जदयू दूसरे नंबर पर है. केंद्र में बैठी भारतीय जनता पार्टी बूथ लेबल एजेंट बनाने के प्रति बेहद उदासीन है. हालांकि इस श्रेणी में भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस, बसपा व भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जैसे अन्य राष्ट्रीय राजनीतिक दल भी शामिल हैं, जो जिले में बूथ एजेंट बनाने में अपनी रूचि नहीं दिखा रहे.

जिला निर्वाचन शाखा के आंकड़े के मुताबिक, जिले में कुल 1923 बूथ हैं. राजद द्वारा इसमें से सबसे अधिक 1329 बूथों पर एजेंट बनाया गया है. जबकि जदयू ने 1138 मतदान केंद्रों पर बूथ लेबल एजेंट बनाया है. निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में सभी राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों को बूथ स्तर पर अपने-अपने एजेंट बनाने को कहा गया था. ताकि निर्वाचन से जुड़े कामों में सहयोग हो सके. समय-समय पर विभिन्न बैठकों या अन्य मौकों पर इस ओर ध्यान भी दिलाया गया. जिला से लेकर प्रमंडल स्तरीय पदाधिकारियों ने भी राजनीतिक दलों से अपील की. लेकिन, इसका असर जिले में कुछ खास नहीं दिख रहा.

जिले में स्थिति संतोषजनक नहीं, अपील बेअसर: जिले में बूथ लेबल एजेंट बनाने की स्थिति ठीक नहीं है. प्रशासन द्वारा की गयी अपील भी बेअसर दिख रही है. यही वजह है कि अधिकारी भी अब तक की स्थिति को संतोषजनक नहीं मान रहे हैं. जानकारी के अनुसार, भाजपा, कांग्रेस, बसपा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, एनसीपी, तृणमूल कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर की मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियां हैं, जबकि राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय राजनीतिक दलों में जदयू, राजद, लोजपा व रालोसपा हैं. इनसभी को मतदान केंद्रों पर बूथ स्तरीय एजेंट नियुक्त करना है. जिलाधिकारी से लेकर मगध आयुक्त तक ने राजनीतिक दलों से अपील की, परंतु राजद व जदयू को छोड़कर अन्य किसी दलों ने अब तक एजेंट नहीं बनाया है.

पार्टियों को बूथ एजेंट बनाना इसलिए भी जरूरी : कभी-कभी चुनाव के दौरान यह मुद्दा उठ जाता है कि मतदाता सूची में गड़बड़ी की गयी है. इस स्थिति में जब राजनीतिक पार्टियों के बूथ एजेंट की मदद से मतदाता सूची तैयार होगी तो इसमें गड़बड़ी से जुड़ा मुद्दा उठने की संभावना भी कम रहेगी. यही वजह है कि मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय व क्षेत्रीय पार्टियों के लिए बूथ स्तरीय एजेंट बनाना जरूरी है. वहीं, जब सभी राजनीतिक दलों के बूथ एजेंट सक्रिय रहेंगे तो किसी तरह की समस्या या मतदाता सूची के निर्माण में गड़बड़ी जैसे आरोप का मामला भी सामने नहीं आयेगा. इसी कारण निर्वाचन आयोग द्वारा लगातार राजनीतिक दलों को बूथ एजेंट बनाने की अपील की जा रही है.

पक्ष-विपक्ष सबका हाल बुरा

केंद्र की गद्दी पर भाजपा विराजमान है. दावा किया जाता है कि यह एक बड़ी राष्ट्रीय पार्टी है. वहीं इसके विरूद्ध कांग्रेस खड़ी है. ऐसे में देखें तो बूथ लेबल एजेंट बनाने यानी सहयोग की भावना रखने में पक्ष व विपक्ष सबका हाल बुरा है. बिहार में सत्ता पर काबिज जदयू ने 1138 बूथों पर एजेंट बनाकर विपक्ष के लिए यह मुद्दा नहीं छोड़ा, लेकिन केंद्र में बैठी भाजपा ने जिले में बूथ एजेंट बनाने की प्रक्रिया शुरू भी नहीं की. बसपा व एनसीपी का हाल भी वही है.

मतदाताओं का सहयोग करना बूथ एजेंट का दायित्व

जिले में विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम चल रहा है. मतदाता सूची के निर्माण में बूथ एजेंट अहम भूमिका निभा सकते हैं. वर्तमान में विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत निर्वाचन शाखा द्वारा अपने बीएलओ के माध्यम से मतदाता सूची तैयार करायी जा रही है. वोटर फॉर्म भरकर बीएलओ को सौंपते हैं, जिसके बाद उनके नाम, फोटो आदि में सुधार किया जाता है. इसी कार्य में राजनीतिक पार्टियों द्वारा बनाये गये बूथ एजेंट वोटरों का सहयोग करते हैं. दरअसल, राजनीतिक दलों के बूथ एजेंटों का मुख्य दायित्व मतदाताओं के साथ-साथ बीएलओ का सहयोग करना है. ऐसे में यह कहा जा सकता है कि सहयोग करने में जिले में सबसे आगे राजद और इसके बाद जदयू है. बाकी की राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय पार्टियां उदासीन हैं.

राजनीतिक दलों को समझनी होगी अपनी जिम्मेदारी

बूथ स्तरीय एजेंट बनाने में राजनीतिक दलों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी. चार जनवरी को पदाधिकारियों व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मगध आयुक्त ने कलेक्ट्रेट के योजना भवन में बैठक भी की थी. इस बैठक में भाजपा व कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधियों ने बूथ एजेंट बनाने के लिए शीघ्र पहल करने की बात कही थी. वहीं मगध आयुक्त ने अब तक बनाये गये बूथ लेबल एजेंट का रिवाइज करने का निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिया था, ताकि बीएलओ अपने मतदान केंद्रों के एजेंट के साथ समन्वय स्थापित कर काम कर सके. इससे काम को करने में आसानी भी होगी.

बूथ लेवल एजेंट बनाने की हो रही अपील

जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद इकबाल ने बताया कि वर्तमान में राजद व जदयू द्वारा बूथ लेबल एजेंट बनाया गया है. अन्य राष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनीतिक दलों द्वारा बूथ एजेंट नहीं बनाया गया है. दलों से लगातार अपील की जा रही है कि वे सभी बूथों पर अपनी-अपनी पार्टियों का एजेंट नियुक्त कर लें. इससे मतदाता सूची तैयार करने से लेकर अन्य निर्वाचन कार्यों में आसानी होगी.